Regional Coordinating Institute, Unnat Bharat Abhiyan
IIT Roorkee

(News Clipping)

दैनिक जागरण देहरादून/हरिद्वार, 3 फरवरी 2020

पहल | उन्नत भारत अभियान के तहत पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के लिए आइआइटी रुड़की को बनाया गया क्षेत्रीय समन्वय संस्थान

आइआइटी रुड़की के मार्गदर्शन में बदलेगी 377 गांवों की तस्वीर

जागरण विशेष

रीना डंडरियाल • रुड़की

उन्नत भारत अभियान (यूबीए) के तहत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) रुड़की उत्तराखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 377 गांवों की सूरत बदलने में अपना योगदान दे रहा है। अभियान के तहत गोद लिए गए गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण व ऊर्जा बचत समेत अन्य क्षेत्रों में आइआइटी रुड़की के लगभग 120 विद्यार्थियों की टीम काम कर रही है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से देशभर में चलाए जा रहे उन्नत भारत अभियान के तहत आइआइटी दिल्ली राष्ट्रीय समन्वय संस्थान (एनसीआइ) के रूप में कार्य कर रहा है। जबकि, आइआइटी रुड़की अभी तक महज प्रतिभागी संस्थान के रूप में ही काम कर रहा था। लेकिन, अब एनसीआइ ने उसे क्षेत्रीय समन्वय संस्थान (आरसीआइ) की जिम्मेदारी सौंपी है। प्रतिभागी संस्थान होने के नाते आइआइटी रुड़की ने यूबीए के तहत अभी तक हरिद्वार व देहरादून जिले के पांच गांवों पूरनपुर, मीरपुर, बेलड़ी, छरबा और चांदपुर को गोद ले रखा है। वहीं, आरसीआइ बनने के बाद संस्थान यूबीए से जुड़े पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कुल 74 गांवों का मार्गदर्शन करेगा। इसके लिए आइआइटी रुड़की के जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन विभाग के प्रो. आशीष पांडेय को समन्वयक बनाया गया है। प्रो. पांडेय ने बताया कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने आइआइटी दिल्ली को एनसीआइ बनाया है। इसके तहत देशभर में लगभग 45 क्षेत्रीय समन्वय संस्थान कार्यरत हैं। आइआइटी रुड़की उनमें से एक है और उसके कार्यक्षेत्र में आने वाले कुल 74 प्रतिभागी संस्थानों में 34 पश्चिमी उत्तर प्रदेश व 40 उत्तराखंड से पंजीकृत हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रतिभागी संस्थानों ने 178 और उत्तराखंड के प्रतिभागी संस्थानों ने 199 गांवों को गोद ले रखा है। क्षेत्रीय समन्वय संस्थान बनने के बाद गोद लिए गए इन 377 गांवों में यूबीए की गतिविधियां संचालित करने में आइआइटी रुड़की सभी प्रतिभागी संस्थानों का मार्गदर्शन कर रहा है।

आइआइटी रुड़की • जागरण आर्काइव

120 छात्रों की टीम गोद लिए गए गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण व ऊर्जा बचत समेत अन्य क्षेत्रों में कर रही है काम

178 गांवों को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रतिभागी संस्थानों ने और 199 को उत्तराखंड के प्रतिभागी संस्थानों ने ले रखा है गोद

यूबीए की टीम कर चुकी यह कार्य

- बहादराबाद, चांदपुर, बेलड़ी व मीरपुर में कैंप लगाकर 2952 पशुओं का टीकाकरण
- बेलड़ी साल्हापुर राजकीय इंटर कॉलेज में छात्राओं को निशुल्क साइकिल वितरण
- चांदपुर, छरबा व पूरनपुर के प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय के छात्रों को कंप्यूटर प्रशिक्षण
- मौसम की सही एवं सटीक जानकारी के लिए किसानों को मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाओं के बारे में जागरूक किया
- देहरादून के छरबा गांव में बेटियों को आत्मरक्षा के लिए ताइक्वांडो का प्रशिक्षण
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का ग्रामीण युवाओं के बीच प्रचार-प्रसार
- ग्रामीणों को सौर ऊर्जा लैंप बनाने का प्रशिक्षण